सरस्वती भारतीय संस्कृति का मूल दर्शनः रामबिलास शर्मा

भारतीय विद्या भवन में शुरू हुई इंडिया कांफ्रेंस ऑफ वेव्स

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हरियाणा के शिक्षा मंत्री रामबिलास ने 'सरस्वती' को भारतीय संस्कृति का मूल दर्शन बताते हुए कहा कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी की सरस्वती जीर्णोद्धार व अनुसंधान की प्रबल इच्छा है। इस दिशा में हम पथ पर आगे बढ़ रहे हैं और इसमें सभी के सहयोग की सदा अपेक्षा रहेगी।

नई दिल्ली में भारतीय विद्या भवन में वाइड वेब्स एसोसिएशन फॉर वैदिक स्टडीज, हरियाणा सरस्वती हेरिटेज डेवलपमेंट बोर्ड व सेंटर फॉर इंडोलॉजी, भारतीय विद्या भवन द्वारा 'वैदिक ज्ञान के व्यवहारिक पक्ष' विषय पर आयोजित 21वीं इंडिया कॉन्फ्रेंस ऑफ वेव्स में शिक्षा मंत्री ने 'सरस्वती' पर विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा सरस्वती हेरिटेज डेवलपमेंट बोर्ड के उप चेयरमैन प्रशांत भारद्वाज ने की। हरियाणा सरस्वती हेरिटेज डेवलपमेंट बोर्ड के तकनीकी सदस्य व इसरो वैज्ञानिक डॉ एके गुप्ता ने सरस्वती के प्राचीन अस्तित्व व

नई दिल्ली में भारतीय विद्या भवन में आयोजित 21वीं इंडिया कॉन्फ्रेंस ऑफ वेव्स में मुख्यातिथि के रूप मौजूद हरियाणा के शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा। साथ में हैं हरियाणा सरस्वती हेरिटेज डेवलपमेंट बोर्ड के उप चेयरमैन प्रशांत भारद्वाज।

वर्तमान स्थिति पर वैज्ञानिक तथ्यों पर प्रकाश डाला। दिल्ली विवि (साउथ कैंपस) के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर रमेश भारद्वाज ने भारतीय इतिहास, संस्कृति, समाज व जीवन में 'सरस्वती' के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सरस्वती हेरिटेज डेवलपमेंट बोर्ड का दायरा पंजाब, राजस्थान व गुजरात तक विस्तारित किए जाने पर बल दिया। सुबराता विनोद ने वैदिक कालीन 'सरस्वती' नदी के संदर्भ में वैदिक प्रमाणिकता व भौगोलिक प्रमाणिकता पर प्रकाश डाला। कुरुक्षेत्र विवि के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फार रिसर्च ऑन सरस्वती रिवर के निदेशक प्रोफेसर डॉ एके चौधरी ने तलछटों व मृदा के अध्ययन के आधार पर सरस्वती नदी के हरियाणा क्षेत्र में प्रवाह होने की प्रमाणिकताएं प्रस्तुत की।